**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्‍चतर शिक्षा तथा साक्षरता विभाग

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या: 3121

उत्‍तर देने की तारीख: 22.03.2018

**‘असर’ के अनुसार नामांकन अनुपात**

**3121. श्री ए॰ के॰ सेल्वाराजः**

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या शिक्षा रिपोर्ट की वार्षिक स्थिति (असर), 2017 के अनुसार 14 वर्ष की आयु तक लड़कों और लड़कियों के लिए नामांकन अनुपात लगभग समान है, 18 वर्ष की आयु में लड़कों के 28 प्रतिशत नामांकन की तुलना में 32 प्रतिशत लड़कियों का नामांकन नहीं होता है;

(ख) क्या इस आयु समूह में से लगभग 25 प्रतिशत अभी तक अपनी ही भाषा में मूल पाठ धाराप्रवाह रूप में नहीं पढ़ सकते हैं;

(ग) क्या यह सच है कि नमूने में सभी 14 वर्ष के बालक-बालिकाओं में से 53 प्रतिशत, अंग्रेजी में वाक्य पढ़ सकते हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(श्री उपेन्‍द्र कुशवाहा)**

(क) से (घ): उपलब्‍धि सर्वेक्षण वार्षिक शिक्षा स्‍थिति रिपोर्ट (एएसईआर) में गैर-सरकारी संगठन द्वारा जारी किए जाते हैं। यह घर-घर जाकर लिया जाने वाले सर्वेक्षण हैं जो देश में ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित है। एएसईआर 2017 रिपोर्ट के अनुसार 14-18 आयु वर्ग के 86 प्रतिशत युवा या तो स्‍कूल या फिर कॉलेज में औपचारिक शिक्षा प्रणाली में हैं। 14 वर्ष की आयु में 4.7 पुरूषों की तुलना में 5.7 प्रतिशत महिलाएं नामांकित नहीं होती हैं जबकि 18 वर्ष की आयु में 28 प्रतिशत पुरूषों की तुलना में 32 प्रतिशत महिलाएं नांमाकित नहीं होती हैं। 14-18 आयु वर्ष के 75 प्रतिशत बच्‍चे अपनी भाषा में मूल पाठ को बेहिचक पढ़ सकते हैं। इसके अलावा, सैम्‍पल में लिए गए सभी 14 वर्ष के युवाओं में से 53 प्रतिशत अंग्रेजी वाक्‍य को पढ़ सकते हैं। 18 वर्ष के युवाओं में ये आंकड़े 60 प्रतिशत के नजदीक हैं। अंग्रेजी वाक्‍यों को पढ़ने वाले बच्‍चों में से 79 प्रतिशत वाक्‍य का अर्थ बता सकते हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय का स्‍कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग एएसईआर 2017 सर्वेक्षण से जुड़ा हुआ नहीं था।

**\*\*\*\*\***